M.A. (Sociology) (New CBCS Pattern) Semester-II

# MAS201 - Paper-V : Perspectives on Indian Society

P. Pages : 3 **GUG/S/25/13512**

Time : Three Hours Max. Marks : 80

---

Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

**1.** Explain the characteristics of caste as stated by G. S. Ghurye. **16**

**OR**

State the structural functional perspective of S. C. Dube.

**2.** Discuss the Marxist perspective of D. P. Mukharjee. **16**

**OR**

Explain the civilizational perspective of N. K. Bose.

**3.** Write short answer on **any two** of the following. **16**

a) Ideological perspective and Louis Dumont.

b) Concept of Sanskrutilisation – M. N. Srinivas.

c) Marxist perspective of A. R. Desai.

d) Subaltern perspective of Dr. B. R. Ambedkar.

**4.** Write short answer on **any two** of the following. **16**

a) Theory of origin of caste G. S. Ghurye.

b) Theory on Indian changing village S. C. Dube.

c) Concept of secularism by M. N. Srinivas.

d) Origin of caste as stated by B. R. Ambedkar.

**5.** Write short notes on each. **16**

a) Concept of Indological.

b) Concept of structural – functional perspectives.

c) Contribution of A. R. Desai on Rural India.

d) Dr. B. R. Ambedkar and Untouchability.

***********

M.A. (Sociology) (New CBCS Pattern) Semester-II

# MAS201 - Paper-V : Perspectives on Indian Society

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

---

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहेत.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

**1.** जी. एस. घुर्येद्वारा प्रतिपादीत जातीची वैशिष्ट्ये स्पष्ट करा. **16**

**किंवा**

एस. सी. दुबे यांचा संरचनात्मक प्रकार्यात्मक दृष्टिकोन विशद करा.

**2.** डी. पी. मुखर्जी यांच्या मार्क्सवादी दृष्टिकोनाची चर्चा करा. **16**

**किंवा**

एन. के. बोस यांचा सभ्यतावादी दृष्टिकोन स्पष्ट करा.

**3.** खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** वर थोडक्यात उत्तरे लिहा. **16**

अ) प्राच्यविद्या दृष्टिकोन – ल्यूईस डयुमा

ब) संस्कृतिकरणाची संकल्पना – एम. एन. श्रीनिवास

क) ए. आर. देसाई यांचा मार्क्सवादी दृष्टिकोन

ड) डॉ. बी. आर. आंबेडकर यांचा उपेक्षितांचा दृष्टिकोन

**4.** थोडक्यात उत्तरे लिहा **कोणतेही दोन**. **16**

अ) जातीच्या उत्पत्तीचा सिध्दांत – जी.एस. घुर्ये

ब) भारतीय बदलत्या खेड्यांवरील सिध्दांत – एस.सी. दुबे

क) एम. एन. श्रीनिवास यांची धर्मनिरपेक्षतेची संकल्पना

ड) बी. आर. आंबेडकर द्वारा प्रतिपादीत जातीची उत्पत्ती

**5.** खालील प्रत्येक प्रश्नांची थोडक्यात उत्तरे लिहा. **16**

अ) भारतीयशास्त्राची संकल्पना

ब) संरचनात्मक – प्रकार्यात्मक दृष्टिकोन संकल्पना

क) ग्रामीण भारतावरील ए. आर. देसाई चे योगदान

ड) डॉ. बी. आर. आंबेडकर आणि अस्पृश्यता

*********

M.A. (Sociology) (New CBCS Pattern) Semester-II

# MAS201 - Paper-V : Perspectives on Indian Society

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

---

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।

**1.** जी. एस. घुर्ये द्वारा प्रस्तुत जाती की विशेषताये स्पष्ट किजिये। **16**

**अथवा**

एस. सी. दुबे का संरचनात्मक प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य विशद किजिये।

**2.** डी. पी. मुखर्जी के मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य की चर्चा किजिये। **16**

**अथवा**

एन. के. बोस का सभ्यतावादी परिप्रेक्ष्य स्पष्ट किजिये।

**3.** निम्नलिखित **किन्ही दो** पर संक्षिप्त उत्तर लिखिये। **16**

अ) प्राच्यविद्या दृष्टिकोन – ल्यूईस ड्युमा।

ब) संस्कृतिकरण की अवधारणा – एम. एन. श्रीनिवास।

क) ए. आर. देसाई का मार्क्सवादी दृष्टिकोन

ड) डॉ. बी. आर. आंबेडकर का वंचितो का दृष्टिकोन

**4.** निम्नलिखित **किन्ही दो** पर संक्षिप्त उत्तर लिखिये। **16**

अ) जाती उद्‌गम का सिध्दांत – जी. एस. घुर्ये।

ब) भारतीय बदलते गांव पर एस. सी. दुबे का सिध्दांत।

क) एम. एन. श्रीनिवास इनकी लौकिकरण की अवधारणा।

ड) डॉ. बी. आर. आंबेडकर द्वारा प्रतिपादीत जाती का उद्‌भव।

**5.** निम्नलिखित हर इकाईपर संक्षिप्त में उत्तर लिखिये। **16**

अ) भारतीयशास्त्र की अवधारणा।

ब) संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक दृष्टिकोन की अवधारणा।

क) ग्रामीण भारत के संदर्भ में ए. आर. देसाई का योगदान।

ड) डॉ. बी. आर. आंबेडकर एवं अस्पृश्यता।

********